जनपद प्रयागराज में निर्माणाधीन हेलीपोर्ट से सम्बन्धित संक्षिप्त टिप्पणी

Add 3 parwatpur G.T. Road
Gopiganj Bhadohi

Gopiganj

Total Number of floor
— GF +FF

GF — Store-1, Hall-2, 1 Kitchen, Reciephon
1-office, 2 washroom

FF — 4 Bedroom, 4washroom, 1 open Terrace

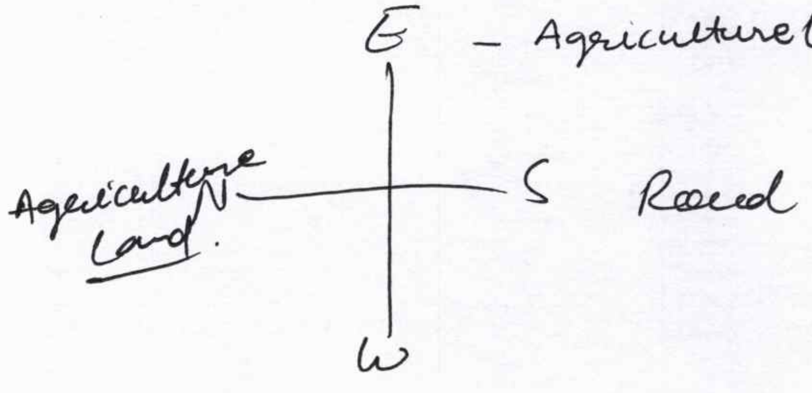

- Pumphouse —
- market - 2km
- 2km hospital
- Railway Station - 6km
- Busstand - 2.5km
- Airport - 65km.

year of construction - 2011

Main Road — Prayagraj to Varansi

Approch — Same.

PG set Inverter. [landRate:- 1 lac to 1.5 lac per Sqft.

➡ शासनादेश संख्या 87 / 2018 / 1230 / 41–2018 –16(बजट) / 2017 दिनांक 28.03.2018, पर्यटन विभाग, उ0प्र0 शासन, लखनऊ के द्वारा रू0 494.65 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है।

➡ अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, प्रयागराज के पत्रांक 1396 / 1सी दिनांक 23.04.2018 के द्वारा यह अनुरोध किया गया कि स्वीकृत ले–आउट प्लान की भूमि साईज 200मी0 x 190मी0 के स्थान पर चयनित स्थल पर मात्र 119.18मी0 x 95.40मी0 भूमि ही उपलब्ध होने के कारण कार्यस्थल का चयन अन्यत्र किया जायें। जिसके कम में उपनिदेशक पर्यटन प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज के पत्रांक 86 / योजना विविध (हेलीपैड) / 2017 दिनांक 25.04.2018 द्वारा अवगत कराया गया कि हेलीपैड के निर्माण हेतु पूर्व चयनित भूमि पर ही निर्माण कार्य कराया जाना है।

➡ कार्यालय प्रमुख अभियन्ता (वास्तुविद विंग), लो0नि0वि0 लखनऊ ने अपने पत्रांक 1478ए–3 / 186ए–3 / 18 दिनांक 03.05.2018 द्वारा हेलीपोर्ट हेतु ड्राईंग का अनुमोदन किया गया तथा अवगत कराया गया कि उक्त स्ट्रक्चर कॉलम पर सपोर्टेड स्लैब के रूप में बनाया जाए एवं लैडिंग एरिया (एफ0ए0टी0ओ0) कनेक्टिगं ब्रिजेज, टर्मिनल बिल्डिंग आदि का स्ट्रक्चरल डिजाईन भी कराया जाय।

➡ नार्थ इण्डिया इंजीनियर्स लैब एण्ड कन्सलटेन्टस प्रयागराज द्वारा जियोटेक्निकल सर्वे करते हुये कार्यस्थल की मृदा सम्बन्धी आख्या उपलब्ध करायी गयी। जिसके क्रम में श्री अखिलेश कुमार सिंह (स्ट्रक्चरल इंजीनियर) ए0टी0एस0 स्ट्रक्चरल कन्सलटेन्टस लखनऊ द्वारा स्ट्रक्चरल डिजाईन, हाइड्रोलाजिकल कन्सीडरेशन के साथ उपलब्ध कराया गया। जिसका परीक्षण प्रोफेसर वी0 कुमार, डिपार्टमेन्ट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, बी0एच0यू0, वाराणसी द्वारा दिनांक 09.07.2018 को करते हुए अनुमोदित किया गया।

➡ सिविल अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा दिनांक 09.07.2018 को स्ट्रक्चरल डिजाईन एवं ड्राईगं की परीक्षण एवं अनुमोदन के उपरान्त, दिनांक 13.07.2018 को कार्यालय प्रमुख अभियन्ता (वास्तुविद विंग), लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा हेलीपोर्ट कार्यस्थल की ले–आउट एवं वर्किगं ड्राईग अनुमोदित कर उपलब्ध कराया गया।

अधिशासी अभियन्ता ने अपने पत्रांक 3188/1ई दिनांक 06.07.18 द्वारा उपनिदेशक पर्यटन, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज को ले–आउट प्लान तथा टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण से पूर्व भारत सरकार, डी0जी0सी0ए0 से अनापत्ति प्रमाण–पत्र प्राप्त करने हेतु अनुरोध किया गया।

➡ अधिशासी अभियन्ता ने अपने पत्रांक 3296/1ई दिनांक 11.07.2018 द्वारा लोक निर्माण विभाग से सम्बन्धित डाटा "हेलीपोर्ट साइट एप्रूवल प्रपत्र" पर अकिंत करते हुए ले–आउट प्लान तथा टोपो ग्राफिकल मैप संलग्न करते हुए भारत सरकार, डी0जी0सी0ए0 से अनुमोदन कराने हेतु क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज को प्रेषित किया गया। अपर मुख्य सचिव, पर्यटन, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में दिनांक 23.10.18 को पर्यटन निदेशालय में सम्पन्न बैठक में यह निर्णय लिया गया कि स्वीकृत शासनादेश में निहित प्रस्तर–2(1) के अनुसार

हेलीपोर्ट निर्माण कार्य सम्पादन से पूर्व प्रस्तावित ड्राईग का परीक्षण एवं अनुमोदन डी0जी0सी0ए0, भारत सरकार से अनुमति प्राप्त किया जाए। जिसके क्रम में उपनिदेशक पर्यटन, प्रयागराज के पत्रांक 644/हेलीपोर्ट/2018 दिनांक 15.10.2018 के साथ संलग्न महानिदेशक, डी0जी0सी0ए0, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र में यह अंकित किया गया है कि प्रस्तावित हेलीपोर्ट पर्यटन के उद्देश्य से निर्मित किया जा रहा है न कि नियमित उड़ानो के लिए। अतः डी0जी0सी0ए0, भारत सरकार, नई दिल्ली से अनापत्ति प्रमाण–पत्र की आवश्यकता नही है।

➡ हेलीपोर्ट निर्माण हेतु चयनित भूमि पर अतिक्रमण हटाने हेतु क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, प्रयागराज एवं उपजिलाधिकारी, सदर, प्रयागराज से अनुरोध किया गया।

➡ हेलीपोर्ट के निर्माण हेतु समय से भूमि उपलब्ध न हो सकने एवं उपलब्ध करायी गयी भूमि पर अतिक्रमण हटाने के बाद माह नवम्बर, 2018 के तृतीय सप्ताह से हेलीपोर्ट के के पाईलिंग का कार्य प्रारम्भ किया गया।

लेवलिंग / समतलीकरण कार्य

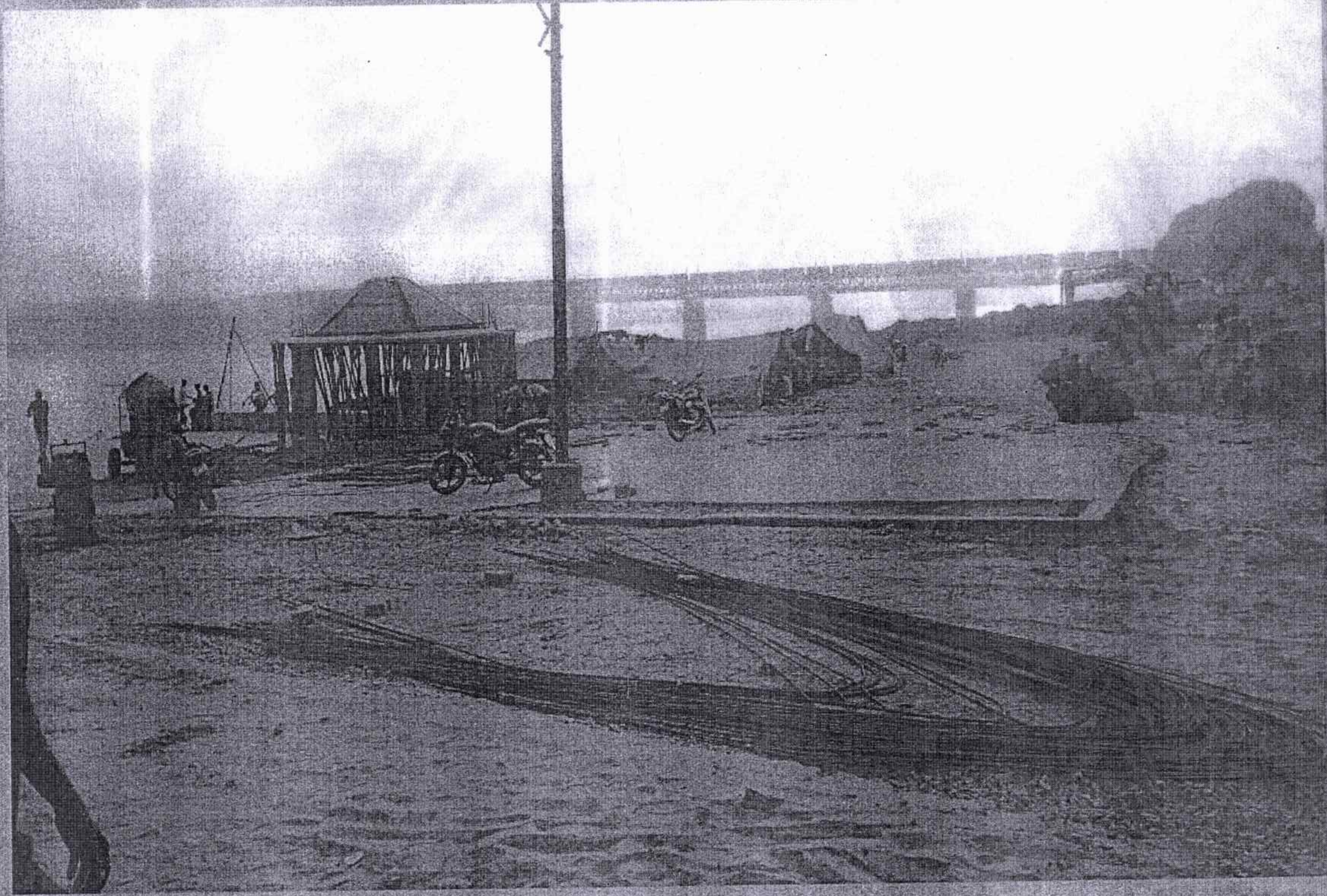

पाईलिंग का कार्य

पाईलिंग टेस्टिंग कार्य

➡ माह दिसम्बर, 2018 के अंतिम सप्ताह तक हेलीपैड–1 के कॉलम एवं टाई बीम निर्माण कार्य के साथ कनेक्टिंग रैम्प के पाईलिंग का कार्य तथा हेलीपैड–2 के पाईलिंग का कार्य हुआ।

➡ माह जनवरी, 2019 तथा फरवरी, 2019 मे हेलीपैड–1 के स्लैब निर्माण तथा कनेक्टिंग रैम्प के टाई बीम तथा हेलीपैड–2 के कॉलम निर्माण कार्य सम्पादित कराया गया।

➡ माह मार्च/अप्रैल, 2019 में कनेक्टिंग रैम्प के स्लैब तथा हेलीपैड–2 के टाई बीम के साथ कॉलम का निर्माण कार्य सम्पादित कराने के साथ माह मई, 2019 के प्रथम सप्ताह में हेलीपैड–2 के स्लैब का निर्माण कार्य सम्पादित कराया गया।

➡ क्रम सं0 10 से 13 तक कराये गये कार्य का व्यय पर्यटन विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी धनराशि हेलीपोर्ट हेतु मानकीकृत ड्राईग के विपरीत कार्यस्थल की विशेष स्थिति के कारण यथा लेवल ग्राउण्ड के स्थान पर ऐलीवेटेड हेलीपोर्ट बनाये जाने हेतु 11.00 मी0 गहराई तथा 500 मि0मी0 डाया मी0 के पाईलिंग, पाईल कैप, ग्रिड बीम, टाई बीम तथा 10.00 मी0 ऊचाई तक कॉलम का निर्माण कराने के उपरान्त ऐलीवेटेड हेलीपैड कनेक्टिंग ब्रिज के साथ निर्माण कार्य किये जाने की वजह से उपयोग हो गया। उक्त विशेष परिस्थिति के कारण परियोजना का पुनरीक्षित आगणन गठित करना पड़ा। जिसके कारण मूल परियोजना की मूल लागत रू0 494.65 लाख से बढ़कर रू0 1134.11 लाख हो गयी है। कार्य का पुनरीक्षित आगणन रू0 1134.11 लाख गठित कर स्वीकृति हेतु माह फरवरी, 2019 को पर्यटन विभाग को प्रेषित किया जा चुका है।

➡ पर्यटन विभाग को प्रेषित पुनरीक्षित लागत रू0 1134.11 लाख का प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति अपेक्षित है।)

उक्त कार्य को पूर्ण किये जाने एवं उद्देश्य की पूर्ति के लिए आवश्यक है कि परियोजना की पुनरीक्षित लागत रू0 1134.11 लाख की स्वीकृति की जाए।

➡ निर्माणाधीन कार्य विगत् 09 माह से धनाभाव के कारण कार्य बॉधित है। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रेषित पुनरीक्षित आगणन की स्वीकृति न होने की दशा में परियोजना के उद्देश्य की पूर्ति नही हो पायेगी।

धन्यवाद

S. K. Pandey.

9557997148

Mau —

9598237050
Wijay Mal

Dhatinder Pandey

Kapilvastu —

Etawah —

Satish Tiwari – 10.15 [illegible]